

DPN 6738

Title : चचासफू / *caçā SAPHU*

Run. No. 7463

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Saṅgita*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☐ New. / ☐ Nep. / ☐ Skt.- New. / ☐ Maith.- New. / ☐ New.- Nep. /

Size in cms. 21.4 x 8.5

Folios 5

Lines (in a page) 6

Compl. / ☒ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☐ Dev. / ☐ Bhuj. / ☐ Ran. /

Illus. : *one side deer skin*

Material : palmleaf / paper / *thyaśaphu* /

Condition : fine / ☒ damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

सहज संवित्ति रैया गावन्ति कण्ठपा श्रीहेरुवचलण प्रसादे २ प्रज्ञा
आलिङ्गण क्रिदन्ति हेरुव विशसपि शुन्य करुणा ॥ रागभैरवी ॥

20

15

10

5



20

15

10

5

उहायकमलवच ॥ ॥ इहलगरन बहुदयकमलवच वरुवा सीधिकवधि
दनविनासनसायसहायजसिद्धि ॥ ॥ आदिदूर्द्धहायममभवसमूनाव
लाभियवृजववकुवरनीवनाववत्सुवजिनममनमठवाययावममुवा
प्रमः ववदहदिहवसमिदूर्द्धवमृत्तवजगठडधरमरसमुयववृद्धजनन
हकवयियानिजसुव्रीहययचिरुविलववा ॥ ॥ गुरुजयदसिगसिद्धिय
युद्धवमाकुदविलोवर्तगवरसनभुवससिचिगनधीरयाहनयिसुवत
नजमसा ॥ ॥

३२

वृक्ष

वागमयज्या॥ मलप कलावा॥ वीउकृष्ण कति नूव कम खचग्री वरुडन नुन
 वमालो रणि ववी कियी कियि या रसा विरहि नगगता वरुडि राया॥ ५॥
 यरु मदी रुव वदमान का ना यूगता थपी सम्य न नाया॥ ॥ वज कलाठ कदाः
 धधनका कथं किया उख दौ के रस यूठ या गिता क मल विदा सिल ना मदा सख
 मनि पुसाद॥ ॥ वज वानादि आलिकी धसम्य न ता वधिवरु विरलंग रवा
 रुनिका नेया कि दकि दनूव जहुन वरुलत प्रसाद॥ ॥ मल ग रं विरि
 नेया मवनि कल या श्रीरु व वलन प्रसाद २ प्रहा आलिकी ध कि दकि

三

शुद्धयोगमहा

[illegible]

३
३८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

ग ७४५

३९

१८ त्रिदशवर्ष

॥ समयावहेन युगाभावे च द्वात्रिंशद्विवाहववउसहनेयना ॥
 ॥ शितययुक्तं बुधावलिसख्यारयुक्तं बर्कवसमकुलवयन ॥
 ॥ बौद्धमहावैलियुनिनवनगायनरम ॥ सांसमवुवुविनजा
 हाव ॥ ॥ रागसनिन ॥ नावप्य ॥ दविहवउक्रयवउवयत
 निशनसशिवाजिनवलमयगावउसावववयसथनाकसानिकुज
 ननुनागासिकवहनागासिहेनादे ॥ ७ ॥ नसासयवसादिवुदना

३९

57x